गाती

सर्दियाँ शुरू होते ही स्वेटर, जर्सी, कोट निकलने शुरू हो जाते हैं। सिर और कान ढँकने के लिए टोपी, मफलर। देहात में गरीब माता-पिता अपने बच्चों को ठण्ड से बचाने के लिए जो युक्ति लगाते हैं उसे गाती कहते हैं। गाती अलग से कोई वस्त्र नहीं होता बल्कि पुरानी लुगड़ा, साड़ी, लुंगी, धोती या चादर का टुकड़ा होता है। इसे बीचों-बीच सर पर रखकर उसके अगले दो पल्लुओं के कोने को गरदन के पीछे की ओर बाँधते हैं। इससे कान, सिर ढँके रहते हैं। बचा हिस्सा नीचे लटका रहता है जिससे हाथ, धड़ तथा पैर ढँक जाते हैं। गाती पहनने से खेलने-कूदने में कोई दिक्कत नहीं आती। फोटो देखो और किसी शॉल, चादर से गाती पहनने की कोशिश करो।

प्रस्तुतिः बंशीलाल परमार

उलझन

आलस हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है - जवाहर लाल नेहरू

हमें अपने दुश्मनों से भी प्रेम करना सीखना चाहिए - महात्मा गाँधी

मुझे समझ में नहीं आता कि किसकी सुनूँ?

झूठ बोलने वालों को कितना याद रखना पड़ता होगा?

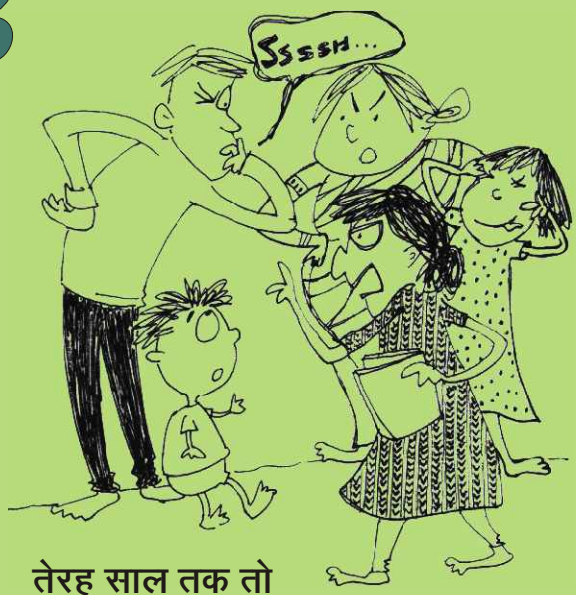

तेरह साल तक तो मुझे यही लगता था कि मेरा नाम चुप रहो ! है

– जो नैमत
(एक मशहूर अमेरिकी फुटबॉलर)

एक फटा-पुराना चुटकुलाः एक तोता एक बार एक कार से टकरा गया। टक्कर से तोते को चोट आई और वह बेहोश हो गया। कार वाले ने तोते की मरहम-पट्टी की। और उसे एक पिंजरें में लिटा दिया। दो-तीन दिन बाद तोता होश में आया। उसने आँखें खोलीं। टक्कर की याद आते ही उसके मुँह से निकला, "आइला, जेल! इसका मतलब कार वाला मर गया।"

सभी चित्रः सौम्या मैनन